वर्ष-11 | अंक-12 | भोपाल, 10 नवम्बर से 16 नवम्बर 2025 तक | पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मुल्य- 02 रूपये

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने का वादा निभा रही है सरकारः सीएम

शासकीय सेवा में प्रवेश उपलब्धि के साथ है बड़ी जिम्मेदारी

सर्वाधिक वन क्षेत्र संधारण, वन्य जीवों की संख्या और वनों की गुणवत्ता में मध्यप्रदेश, देश में अग्रणी

मुख्यमंत्री ने नियुक्ति एवं पदस्थापना आदेश वितरण कार्यक्रम को किया संबोधित

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिये हमारी सरकार प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य कर रही है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा और वन विभाग के 877 पदों के लिए चयनित अधिकारी-कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्दान कर हम अपना वादा पूरा करने की तरफ एक कदम और बढ़ा रहे हैं। यह नियुक्तियां विकसित मध्यप्रदेश के हमारे सामूहिक संकल्प का एक पड़ाव है। हमें आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश की नींव मजबूत करनी है। वन, जहां बेहतर पर्यावरण का आधार है, वहीं स्वास्थ्य विभाग जनसामान्य के जीवन और स्वास्थ्य की रक्षा करता है। वन विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की सेवा में आज प्रवेश ले रहे अधिकारी-कर्मचारी मजबूत, सुरक्षित, समृद्ध और स्वस्थ मध्यप्रदेश के निर्माण में पूरी प्रतिबद्धता से अपना योगदान देंगे, हम ऐसी अपेक्षा करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में वन एवं स्वास्थ्य विभाग के नियुक्ति एवं पदस्थापना आदेश वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल भी उपस्थित थे।

जनता का विश्वास शासकीय सेवक की सबसे बड़ी पूंजी है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवनियुक्त अधिकारी-कर्मचारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कहते थे कि %सपना वो नहीं, जो आप सोते हुए देखते हैं, सपना वो है, जो आपको सोने नहीं देता।% शासकीय सेवा में प्रवेश एक उपलब्धि के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। जनता का विश्वास शासकीय सेवक की सबसे बड़ी पूंजी है। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को त्वरित, विश्वसनीय और अधिक प्रभावी बनाने में नए अधिकारी-कर्मचारियों का भी सहयोग मिलेगा। उन्होंने कहा कि वन विभाग वनों के संरक्षण, संवर्धन, पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। आशा है नए वन संरक्षक और अधिकारी, जंगलों की सुरक्षा, वन जीवों की देखभाल के साथ-साथ पर्यावरण और स्थानीय समुदायों की आजीविका के क्षेत्र में प्रभावी कार्य करेंगे। वन क्षेत्रपाल, वनरक्षकों, एनेस्थेसिया विशेषज्ञों, सर्जन, शिशु रोग विशेषज्ञ और नर्सिंग ऑफिसर्स को नियुक्ति पत्र प्रदान किए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतीक स्वरूप सुश्री मनीषा मुकाती, श्री रवि यादव, श्री सोमेश शर्मा, श्री नीरज अंब को वन क्षेत्रपाल के नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इसी प्रकार श्री चंद्रपाल सिंह तोमर, कुमारी हिमांगिनी राहंगडाले और सश्री अंजना परते को वन रक्षक के नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत डॉ. नेहानंदन चौरसिया, डॉ. राम आशीष शुक्ला, डॉ. मंजूलता आर्य, डॉ. जितेन्द्र कैथवाल, डॉ. भूमा भावना और डॉ. नितिन कुमार को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। उल्लेखनीय है कि वन विभाग द्वारा नवनियुक्त 76 वन क्षेत्रपाल और 467 वनरक्षकों को आज नियुक्ति पत्र जारी किए गए। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में नवनियुक्त 75 एनेस्थेसिया विशेषज्ञों, 62 सर्जन, 106 शिशु रोग विशेषज्ञ ओर 91 नर्सिंग ऑफिसर्स को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

कर्मयोगी के समान हो सेवा का भाव

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने कहा कि सरकार के प्रयास तभी सफल होंगे, जब समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। प्रदेशवासियों की कर्मयोगी के समान सेवा से नवनियुक्त अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होगी।

मध्यप्रदेश पर्यावरण संरक्षण में दे रहा है महत्वपूर्ण योगदान

अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश देश के सबसे बड़े वन क्षेत्र का संधारण कर रहा है। यह गर्व का विषय है कि हमारे प्रदेश के वनों की गुणवत्ता भी श्रेष्ठ है और प्रदेश में सघन वनों के क्षेत्र फल में डेढ़ गुना विस्तार हुआ है। अधिकांश वन्य प्राणियों की संख्या में मध्यप्रदेश, देश में प्रथम है। यह संकेतक बताते हैं कि मध्यप्रदेश पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। वन क्षेत्र की यह उपलब्धियां वनरक्षकों के योगदान से ही संभव हुई हैं। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य श्री संदीप यादव तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हीरा सिंह राजपूत ने निज निवास गण नायक पर आकर सौजन्य भेंट की । तथा ग्रामीण विकास से सम्बंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की!!

गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

मुख्यमंत्री एमवीएम कॉलेज परिसर में लगे स्वदेशी मेला में हुए शामिल

विश्व बाजार में भारत ने फूंका है स्वदेशी का बिगुलः मुख्यमंत्री

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। दुनिया में जारी आर्थिक युद्ध के बीच भारत ने स्वदेशी का बिगुल फूंका है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश के नागरिकों, व्यापारियों और उद्यमियों को इस आर्थिक युद्ध में स्वदेशी ब्रह्मास्त्र सौंपा है। आज सभी क्षेत्रों में स्वदेशी को महत्व देते हुए भारत की सनातन संस्कृति और विरासत से विकास के पथ पर देश अग्रसर है। मध्यप्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन को मिशन बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं कि हम दुनिया से अलग हो जाएं। इसका मतलब है कि जो चीज़ हम अपने देश में बना सकते हैं, उसे बाहर से न लाएं और अपने देश में बनी वस्तुओं का ही उपयोग करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को मोतीलाल विज्ञान आदर्श महाविद्यालय प्रांगण में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी

मेले का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेला परिसर में स्थापित प्रभु श्रीराम की प्रतिमा का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर श्रीराम स्तुति की प्रस्तुति दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अंगवस्त्रम एवं ब्रह्मोस मिसाइल की प्रतिकृति भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री जी ने लघु उद्यमियों द्वारा लगाए विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया एवं स्वदेशी उत्पादों की जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में स्वदेशी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी, स्वामी दयानंद, लाला लाजपत राय एवं बाल गंगाधर तिलक जैसे अनेक महापुरुषों ने देशवासियों से विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी अपनाते हुए आजादी की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया। यह स्वदेशी की ही ताकत थी कि बंगाल विभाजन के विरोध में बंग-भंग आंदोलन प्रारंभ हुआ और अंग्रेजों को झुकना पड़ा था। वर्तमान समय में एक देश के नेता दुनिया को टैरिफ की धमकी देते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी का संकल्प अडिग है।

भारत किसी के सामने नहीं झुकेगा : मोहन यादव

भारत किसी के सामने नहीं झुकेगा। ऐसे समय में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वदेशी ब्रह्मोस मिसाइल से पड़ोसी दुश्मन देश को चारों खाने चित कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज दुनिया को भारत में बड़ा बाजार दिखाई दे रहा है। वे अपनी कमाई के लिए उत्पादों को भारत लाना चाहते हैं। लेकिन हम अपने स्वदेशी के भाव से नई तकनीक अपनाते हुए खेती को भी संरक्षित कर रहे हैं और विभिन्न उत्पादों के निर्यात को बढ़ा रहे हैं। इस मेले में उत्तरप्रदेश भदौही के व्यापारी तक अपने कालीन बेचने यहां आए हैं। स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय मेला प्रमुख श्री साकेत राठौर ने कहा कि स्वदेशी मेला कोई आम मेला नहीं है। हमें स्वदेशी से एक अगल पहचान मिलती है। स्वदेशी जब समाज के साथ जुड़ता है तो वह आंदोलन में परिवर्तित होता है। स्वदेशी वस्तुओं में हमारी मिट्टी की खुशबू होती है। भारत आर्थिक स्थिति में चौथे पायदान पर है। अगर हमें अमेरिका, चीन और जापान को पीछे छोड़ना है तो स्वदेशी के भाव को अपनाना होगा। वर्षभर में देश में 150 स्वदेशी मेले लगाए जाएंगे। विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने कहा कि देशभर में वन्देमातरम के आयोजन के दिन स्वदेशी मेले का आयोजन एक ऐतिहासिक क्षण है। हमें स्वयं स्वदेशी अपनाते हुए साथियों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। स्वदेशी मेला संयोजक एवं भोपाल के व्यापारी श्री सतीश विश्वकर्मा ने कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन किया। स्वदेशी मेले की शुभारंभ अवसर पर श्री रमणवीर सिंह अरोड़ा, श्री सुधीर दाते एवं श्री सुशील अग्रवाल सहित स्वदेशी आंदोलन से जुड़े पदाधिकारी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश के पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में पढ़ाई जाएगी गीता

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के पुलिस ट्रेनिंग स्कूलों में प्रशिक्षण ले रहे नए आरक्षकों को अब भगवद गीता का पाठ भी पढ़ाया जाएगा। पुलिस की ट्रेनिंग विंग ने राज्य के आठों ट्रेनिंग सेंटरों को निर्देश दिया है कि रंगरूटों के लिए गीता पाठ सेशन आयोजित किए जाएं, ताकि उन्हें नेक और अनुशासित जीवन जीने की सीख मिल सके। यह आदेश एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (ट्रेनिंग) राजा बाबू सिंह ने 3 नवंबर को जारी किया है। राज्य के इन ट्रेनिंग स्कूलों में जुलाई से लगभग 4,000 युवक-युवतियां नौ महीने की कांस्टेबल ट्रेनिंग ले रहे हैं। ट्रेनिंग स्कूलों में जुलाई से लगभग 4,000

युवक-युवतियां नौ महीने की कांस्टेबल ट्रेनिंग ले रहे हैं।

पहले रामचरितमानस पाठ का निर्देश दिया था

जुलाई में ट्रेनिंग सेशन की शुरुआत के समय ADG सिंह ने रामचरितमानस का पाठ कराने के निर्देश दिए थे। उनका कहना था कि इससे रंगरूटों में अनुशासन और चरित्र निर्माण की भावना विकसित होगी८ष्ठत्र ने आदेश में कहा कि- भगवद गीता हमारा शाश्वत ग्रंथ है। इसका नियमित पाठ निश्चित रूप से हमारे ट्रेनी को एक नेक जीवन जीने में मार्गदर्शन करेगा और उनका जीवन बेहतर होगा। बताया जाता है कि ADG राजा बाबू सिंह ने 2019 में ग्वालियर रेंज के पुलिस प्रमुख रहते हुए भी इसी तरह का अभियान चलाया था और स्थानीय जेलों में बंद कैदियों सहित अन्य

लोगों को गीता की प्रतियां वितरित की थीं।
-राजा सिंह एडीजी

आदरणीय प्रधानमंत्री जी आपके मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश तीव्र कनेक्टिविटी और सांस्कृतिक एकता के नए युग में प्रवेश कर रहा है।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

प्रदेश में 10 लाख स्ट्रीट डॉग्स...इंदौर में सबसे ज्यादा हमले

भोपाल में जिस जगह से पकड़े, वापस वहीं छोड़े; हर रोज 50 नसबंदी

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश में 10 लाख से ज्यादा स्ट्रीट डॉग्स हैं। अकेले इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में ही इनकी संख्या 6 लाख से अधिक है। इन्हीं शहरों में आवारा कुत्तों के हमले भी सबसे ज्यादा हुए हैं। नेशनल हेल्थ मिशन की रिपोर्ट में ये बात सामने आ चुकी है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आवारा पशुओं को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया। इसमें आवारा कुत्तों से जुड़े एक मामले में कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला पूरे देश में लागू होगा। सभी स्टेट और नेशनल हाईवे से आवारा पशु हटाए जाएं। आवारा कुत्तों से निपटने के लिए अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेज कैंपस में बाड़ लगाएं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद मध्यप्रदेश में स्ट्रीट डॉग्स को लेकर पड़ताल की गई। जिसमें कई बातें सामने आईं।

सबसे पहले जानिए, एमपी में कितने स्ट्रीट डॉग्स

आंकड़ों पर नजर दौड़ाए तो साल 2022 में एमपी में स्ट्रीट डॉग्स की संख्या 10 लाख 9 हजार आंकी गई थी। भोपाल में डेढ़ लाख से ज्यादा डॉग्स हैं। साल 2024 में यहां 19 हजार 285 लोगों को कुत्तों ने काटा था। वहीं, इस साल जनवरी से जून के बीच 10 हजार 795 लोग कुत्तों का शिकार बने। इंदौर में 30 हजार 304, ग्वालियर में 11 हजार 902, जबलपुर में 13 हजार 619, उज्जैन में 10 हजार 296 और उज्जैन में 1131 लोग शिकार हुए थे। दरअसल, नेशनल हेल्थ मिशन ने राष्ट्रीय रैबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मध्यप्रदेश के 6 शहरों को शामिल किया है। वहीं, वर्ष 2030 तक रैबीज फ्री शहर बनाने के लिए विस्तृत कार्य योजना मांगी गई थी। इसमें डॉग बाइट के मामले सामने आए थे।

हकीकत...अस्पताल, स्कूल-कॉलेज में भी स्ट्रीट डॉग्स

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जब भोपाल के कुछ इलाकों में नजर दौड़ाई गई। जेपी जिला अस्पताल में ही 20 से ज्यादा आवारा कुत्ते नजर आए। ऐसे में मरीज व उनके परिजनों के लिए यह खतरनाक साबित हो सकते हैं। भोपाल नगर निगम शहर में 3 एबीसी सेंटर्स संचालित कर रहा है, जो कजलीखेड़ा, आदमपुर और अरवलिया में है। वहीं, हर साल 22 हजार नसबंदी भी की जाती है, लेकिन नसबंदी के बाद आवारा कुत्तों को उसी जगह छोड़ दिया जाता है, जहां से वे पकड़े गए हो। हर रोज एवरेज 50 नसबंदी रोज हो रही है।

ठंड में ब्रीडिंग का समय, इसलिए बढ़ जाते हैं मामले

भोपाल के पूर्व उप संचालक पशु चिकित्सा डॉ. अजय रामटेके ने बताया कि ज्यादा ठंड और गर्मी में कुत्ते बेचैन हो जाते हैं। ठंड में ब्रीडिंग का समय रहता है। वे अपने बच्चों को बचाने के लिए राह चलते लोगों को काटने दौड़ पड़ते हैं। वहीं, गर्मी में कुत्ते अपने शरीर का टेम्प्रेचर मेंटेन नहीं कर पाते हैं। इसलिए वे सांस के जरिए अपने शरीर का टेम्प्रेचर सामान्य रखते हैं। यदि खाने-पीने में कोई कमी है तो उनकी बेचैनी और भी बढ़ जाती है। इससे वे आक्रामक व्यवहार करने लगते हैं।

स्ट्रीट डॉग्स के एग्रेसिव होने की ये वजह भी

नसबंदी न होना: एक्सपर्ट का कहना है कि नसबंदी होने से डॉग के हार्मोन संतुलित रहते हैं, लेकिन नसबंदी न हो तो ये ज्यादा आक्रामक होते हैं।

असुरक्षित महसूस करना: एक्सपर्ट के मुताबिक हर छह महीने में मादा बच्चों को जन्म देती है। बच्चों की सुरक्षा के लिए वह अतिरिक्त सतर्क होती है।

एंटी रैबीज का टीका न लगना: एक्सपर्ट के मुताबिक डॉग को एंटी रैबीज का टीका समय पर न लगे तो उनके व्यवहार में बदलाव आता है।

समय पर भोजन न मिलना: शहरों में डॉग के आक्रामक होने का ये भी प्रमुख कारण एक्सपर्ट मानते हैं।

भोपाल में दूसरे दिन भी हैलमेट चेकिंग शुरू

पीछे बैठने वालों के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के 5 बड़े शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन में दोपहिया वाहन पर पीछे बैठने वालों के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य हो गया है। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत यह नियम पहले से है, लेकिन अब इसमें सख्ती बरती जा रही है। 4 साल की उम्र से बड़े पिलियन राइडर (दोपहिया वाहन चालक के पीछे बैठने वाले) के हेलमेट न पहनने पर 300 रुपए का चालान बनता है। इस अभियान के दूसरे दिन गुरुवार को भोपाल में ट्रैफिक पुलिस 18 पॉइंट्स पर चालानी कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान अलग-अलग नजारे सामने आए। एक-एक चलित टीम भी हर जोन

में ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई करेगी। पुलिस की कोशिश है कि सभी चालान पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीन से बनाए जाएं। जो लोग ऑनलाइन ट्रांजेक्शन नहीं करते उन्हें भी चालान की रसीद पीओएस से ही दी जाएगी।

बता दें कि भोपाल की ट्रैफिक पुलिस हेलमेट नहीं पहनने वालों पर कार्रवाई करती है। हेलमेट न लगाने पर 250 रुपए का समन शुल्क वसूला जाता है। आईटीएमएस के जरिए हर महीने तकरीबन 5 हजार चालान बनाए जाते हैं, जबकि चेकिंग पॉइंट से 3 हजार। यानी बगैर हेलमेट वाहन चलाने वाले 8 हजार लोग हर महीने करीब 20 लाख रुपए समन शुल्क भर देते हैं।

ट्रैफिक पुलिस के पास है 70 पीओएस मशीनें

भोपाल पुलिस के पास करीब 70 पीओएस मशीनें हैं। डीसीपी ट्रैफिक जितेंद्र पवार ने लोगों से अपील की है कि यह अभियान सड़क हादसों में होने वाली जनहानि को कम करने के लिए चलाया जा रहा है। इसलिए वाहन चालक ट्रैफिक नियमों का पालन करें। करीब एक पखवाड़े से चौराहों-तिराहों पर लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट लगाने के अलावा ट्रैफिक नियमों का पालन करने की समझाइश दी जाती रही है। स्कूल-कॉलेजों में जाकर युवाओं को भी जागरूक किया गया, क्योंकि सड़क हादसों में एक बड़ा आंकड़ा युवाओं का ही है।

भभुआ में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के
स्वागत के लिए उमड़ा अभूतपूर्व जनसैलाब!
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

विकास की नई ऊंचाइयां छूने को तैयार मध्यप्रदेश

लेखक, जगदीश देवड़ा

मध्यप्रदेश अपना 70वां स्थापना दिवस मना रहा है। सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएं। प्रदेश के नागरिकों के लिए यह शुभ अवसर है। उत्साह और उल्लास के साथ यह अवसर प्रदेश की उपलब्धियों पर गर्व करने का है। आज उन सभी महान विभूतियों को याद करने का भी अवसर है, जिन्होंने मध्यप्रदेश के निर्माण में अपना योगदान दिया। आज हम इस बात को दृढ़ आत्मविश्वास के साथ कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश अब पूरी तरह से बदल चुका है। अब और अधिक ऊंचाइयां तय करने के लिए तैयार है। मध्यप्रदेश के सामने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य है। भारत के अमृतकाल में मध्यप्रदेश ने भी अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। वर्ष 2047 तक 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का निर्माण करना सर्वोच्च लक्ष्य है। इसे हासिल करते हुए मध्यप्रदेश स्वयं भी पूर्ण रूप से विकसित राज्य बन जाएगा। अर्थव्यवस्था की दृष्टि से मध्यप्रदेश आज महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने के लिये तैयार है। मध्यप्रदेश अपनी युवा शक्ति के साथ आर्थिक विकास को तेज गति से आगे ले जाने की क्षमता रखता है। मध्यप्रदेश की धरा पर हर जरूरी संसाधन है जो विकास के लिए आधार स्तंभ हैं। कृषि क्षेत्र में खाद्यान्न, दलहन उत्पादन में अग्रणी राज्य में है। आधुनिक सिंचाई की आदर्श संरचनाएं स्थापित है। बिजली की भरपूर उपलब्धता है। ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार और पर्याप्त औद्योगिक निवेश है। उद्योगों के लिए 1.2 लाख एकड़ से ज्यादा लैंड-बैंक है। वर्तमान में 112 से ज्यादा औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहे हैं । साथ ही 14 ग्रीन फील्ड औद्योगिक स्थलों की भी पहचान की गई है। उद्योगों के लिए सबसे जरूरी आकर्षक नीतियां मध्यप्रदेश ने बनाई है, जिससे प्रदेश में व्यवसाय करना बहुत आसान हो गया है। प्राकृतिक संसाधनों की समृद्धि के लिए मध्यप्रदेश विख्यात है। यहां की जमीन उपजाऊ है, जल संसाधनों की कमी नहीं है। भारत की सबसे बड़ी वन संपदा प्रदेश में उपलब्ध है। समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भी है। वर्ष 2029 तक राज्य की जीएसडीपी दोगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां गरीब से गरीब व्यक्ति भी समृद्ध हो।

संपूर्ण विकसित मध्यप्रदेश के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को आर्थिक विकास, भौतिक अधोसंरचना, सामाजिक अधोसंरचना निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयास करने होंगे। इसके लिए इसी वर्ष चार प्रमुख मिशनों को लांच किया गया है। इसका उद्देश्य गरीब, युवा, किसान और नारी शक्ति को सशक्त बनाना है। यह चार मिशन मध्यप्रदेश 2047 के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए आधार स्तंभ साबित होंगे। मध्यप्रदेश उद्योग और सेवाओं पर आधारित अर्थव्यवस्था की संरचना और रणनीति में बदलाव की योजना बना रहा है।

अगले 10 वर्षों में राज्य में उद्योग और सेवाओं में वृद्धि होगी क्योंकि निवेश और उत्पादन मध्यप्रदेश देश के निर्माण क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है। वैश्विक स्तर पर उत्पादन बढ़ाने और स्थानीय ग्रामीण उद्योगों और एमएसएमई सेक्टर को सशक्त बनाने की ओर हम अग्रसर हैं। स्वदेशी की अवधारणा को मध्यप्रदेश में पल्लवित होने का एक अनुकूल वातावरण मिला है। स्वदेशी अर्थव्यवस्था को अपनाकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में हम सभी स्वदेशी अर्थव्यवस्था को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सबसे जरूरी कृषि और संबंधित क्षेत्रों के विकास करना, इसके लिए क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देकर किसानों को मदद की जाएगी। एग्रो प्रोसेसिंग हब, कोल्ड चैन, बाजार संपर्क, उत्पादों के मूल संवर्धन को अधिकतम करते हुए एक विस्तृत रोड मैप तैयार किया जाएगा।

भौतिक अधोसंरचना में सिंचाई एक बड़ा क्षेत्र है। मध्यप्रदेश की तैयारी है कि 2029 तक शुद्ध बोए गए क्षेत्र में सिंचाई का क्षेत्र 85ल तक पहुंच जाए। इसी प्रकार वर्ष 2030 तक ऊर्जा क्षेत्र में 50ल नवकरणीय ऊर्जा से प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। ऊर्जा की वर्तमान स्थापित क्षमता 27109 मेगावाट है जिसे 2029 तक बढ़कर 60,000 मेगावाट करना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जिस प्रकार से नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश आ रहा है उससे यह लक्ष्य हासिल करना आसान हो जाएगा। सामाजिक आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए कार्ययोजना बनाई जा रही है। शिक्षा और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। स्कूल शिक्षा में सकल नामांकन दर को 2029 तक 90ल और उच्च शिक्षा में 35% तक ले जाने का लक्ष्य है।

इसी प्रकार स्वास्थ्य सेवा अधोसंरचना को भी निरंतर मजबूत बनाने के प्रयास हैं। स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 8000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहे हैं। मध्यप्रदेश खुद को एक क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है जिसमें उज्जैन मेडिसिटी जैसी पहल शामिल है। इसी प्रकार शहरों की अधोसंरचना सुधारने के लिए स्थानीय निकायों को पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाया जा रहा है। ग्राम पंचायत को निरंतर सक्षम बनाने का काम चल रहा है।

संपादकीय

राहुल की प्रेस कांफ्रेंस यानी बिहार में हार की पेशबंदी

कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में पहले चरण की 121 सीटों पर मतदान से एक दिन पहले दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनाव आयोग और बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक हैंडल से ट्वीट कर हरियाणा में डुप्लिकेट वोटर्स से लेकर बल्क वोटर्स तक, कैटेगरी वाइज आंकड़े भी बताए हैं। इससे पहले भी राहुल गांधी वोट चोरी का मुद्दा उठा चुके हैं। लेकिन वो चुनाव आयोग में शपथ पत्र देकर शिकायत और अदालत का दरवाजा नहीं उठाते हैं। बस प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से बेबुनियाद आरोप और दावे करते रहते हैं। असल में पटना से करीब 1100 किलोमीटर दूर जब राहुल गांधी हरियाणा विधानसभा चुनाव में फर्जी वोटिंग के किस्से सुना रहे थे तब ऐसा लग रहा था मानो वो बिहार में महागठबंधन की होने वाली हार के लिए पेशबंदी कर रहे हैं। राहुल गांधी के वोट चोरी पर बीजेपी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग ने भी कहा है कि कांग्रेस को डुप्लीकेट मतदाताओं को हटाने के लिए शिकायत दर्ज करवानी चाहिए थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा राज्य की मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील दायर नहीं की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मतदाता सूची के खिलाफ कोई अपील नहीं दायर की गईं। राहुल गांधी के इस दावे को लेकर काफी विवाद हो रहा है। इनमें भी सबसे बड़ा विवाद तो ये है कि राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि जिन 22 वोटर कार्ड पर एक ही मॉडल ही तस्वीर है, उन वोटर कार्ड से चुनावों में वोट डाले गए हैं। ये सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि राहुल गांधी जिस वोटर लिस्ट को दिखाकर ये पूरा दावा कर रहे हैं, वो वोटर लिस्ट मतदान के बाद की नहीं बल्कि मतदान से पहले की है। सोचिए मतदान से पहले की वोटर लिस्ट से राहुल गांधी को ये कैसे पता चला कि इन वोटर कार्ड से चुनावों में वोटिंग भी हुई। मीडिया की पड़ताल में राहुल गांधी के दावे झूठे साबित हुए। सवाल यह भी है कि अगर कोई गड़बड़ी थी तो कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट्स ने संशोधन के दौरान एक ही नाम की एक से अधिक प्रविष्टियों को रोकने के लिए कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं दर्ज की? वहीं अगर कई नामों के दोहराव से बचना था, तो संशोधन के दौरान कांग्रेस के बूथ-स्तरीय एजेंटों (बीएलए) ने कोई दावा या आपत्ति क्यों नहीं उठाई? मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बिहार और हरियाणा दोनों में कांग्रेस के बूथ एजेंटों ने संशोधन के दौरान दोहराए गए नामों को लेकर कोई दावा या आपत्ति नहीं दर्ज की। वही सवाल यह भी है कि वोटर लिस्ट चुनाव से पहले उपलब्ध होती है। अगर कोई नाम छूट गया है, तो उसे जुड़वाने की व्यवस्था होती है। वास्तव में, कांग्रेस और कई विपक्षी दल सत्ता हासिल करने के लिए किसी ने किसी बहाने देश की जनता को संवैधानिक संस्थाओं के प्रति उकसाते रहते हैं। चुनाव आयोग, ईडी, सीबीआई से लेकर तमाम दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करते रहते हैं। राहुल गांधी तो चुनाव आयोग के अधिकारियों को खुली धमकी दे चुके हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वो जांच करवाएगी। वैसे अब तक चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली को लेकर विपक्ष के आरोप फर्जी और बेबुनियाद ही साबित हुए हैं। प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने मीडिया का परिचय बिहार के कुछ ऐसे लोगों से भी कराया है, जिनके नाम वोटर लिस्ट से काट दिए गए हैं और इन लोगों का कहना है कि चुनाव आयोग की तरफ से उनके पास कभी कोई आया ही नहीं और बिना बताए उनका नाम वोटर लिस्ट से डिलीट कर दिया गया।

मध्यप्रदेश में SIR से जुड़े हर पहलू पर कांग्रेस पूरी तरह सजग है और जनता के हितों की रक्षा के लिए तत्पर है।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

रिश्तों का कत्ल

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की, दोनों को उम्रकैद

न्यूज क्राइम फाइल

प्रेमी के संग मिलकर पति की हत्या कर उसे गुम बताने का नाटक रचने वाली पत्नी अनीता कुशवाहा और उसके प्रेमी असलम को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। पुलिस ने इस केस में असलम, उसके दोस्त नईम और अनीता को आरोपी बनाया था। अनीता और असलम के अवैध संबंधों की जानकारी जब बबलू कुशवाहा को लगी, तो असलम ने नईम के साथ मिलकर बबलू की हत्या की। अनीता ने उसी दौरान बबलू की गुमशुदगी की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अपर सत्र न्यायाधीश पंकज कुमार जैन ने इस अपराध को दुर्लभ में दुर्लभतम मानते हुए अनीता और असलम को उम्रकैद की सजा सुनाई। शासन की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक नूतन नागर ने की। कोर्ट ने नईम को जेल में बिताई गई अवधि को सजा मानते हुए रिहा कर दिया।

लोहे की रॉड व चाकू मारे, नाले में फेंका था शव

दो दिन पहले मायके गई- 22 फरवरी 2023 की इस घटना में अनीता 18 फरवरी को अपनी तीन बेटियों के साथ मायके रायसेन गई थी। 20 फरवरी को लौटने पर उसने देवर सोनू कुशवाहा से पूछा कि क्या बबलू घर की चाबी देकर गए थे। सोनू ने बताया कि वह दो दिन से दिखाई नहीं दिए। इसके बाद अनीता ने बबलू की गुमशुदगी का नाटक करते हुए थाने में रिपोर्ट कराई। पुलिस जांच में असलम पकड़ा गया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि उसने अनीता के साथ मिलकर बबलू की हत्या की। इस तरह की थी वारदात- असलम ने खुलासा किया कि उसने रात 11:30 बजे बबलू के सिर पर लोहे की रॉड से हमला किया, फिर गले और पेट में चाकू मारकर हत्या की। शव को बोरे में भरकर पातरा नाले में फेंक दिया। पूरी जानकारी उसने फोन पर अनीता को दी, जिसके बाद अनीता मायके से वापस आई। पुलिस ने जांच पूरी कर चालान पेश किया और कोर्ट ने दोनों को दोषी ठहराया।

इधर, पत्नी और उसके प्रेमी की हत्या करने वाले को भी उम्रकैद

सरेराह पत्नी और उसके प्रेमी की हत्या करने वाले सुनील मालवीय और उसके साथी देवेंद्र मालवीय को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। पत्नी प्रेमी के साथ रहने लगी थी , जिसका बदला लेने पति ने 18 जुलाई 2022 की रात वारदात की। अशोक गार्डन के कैलाश नगर में महिला अपने प्रेमी के साथ बाइक से जा रही थी। ब्रेकर पर बाइक धीमी होते ही पीछा कर रहे सुनील और देवेंद्र ने चाकू और डंडों से हमला कर उनकी हत्या कर दी। मोहल्लेवासियों ने सुनील को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। उसकी निशानदेही पर देवेंद्र भी गिरफ्तार हुआ। अपर सत्र न्यायाधीश जयंत शर्मा ने दोनों को दोषी ठहराया। शासन पक्ष से वंदना परते ने पैरवी की।

सहारा इंडिया में जमा थे पीड़िता के 10 लाख...

न्यूज क्राइम फाइल

सहारा इंडिया में जमा रकम निकलवाने का झांसा देकर एक ठग ने महिला से 1.33 लाख रुपए हड़प लिए। आरोपी ने खुद को अधिवक्ता बताकर हाईकोर्ट जबलपुर में केस लगवाने का भरोसा दिलाया था। महिला की शिकायत पर कोर्ट के आदेश से पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शाहजहांनाबाद पुलिस के मुताबिक न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी हेमलता अहिरवार के निर्देश पर टावर के सामने, कुम्हारपुरा निवासी पप्पू रजक उर्फ शिवचरण रजक (52) के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयानत का केस दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता लक्ष्मी यादव ने बताया कि उन्होंने और उनके पति हरीप्रसाद यादव ने सहारा इंडिया में करीब 10 लाख रुपए की एफडी कर रखी थी। कंपनी के भुगतान रुकने पर पप्पू रजक उनके संपर्क में आया। उसने कहा कि वह हाईकोर्ट में मामला लगवाकर एफडी की राशि जल्दी दिला देगा, बशर्ते 25त्न कमीशन देना होगा। लक्ष्मी ने आरोपी को पहले 50 हजार रुपए, फिर केस फाइल करने के नाम पर 3 हजार और 80 हजार रुपए और दिए। आरोपी ने दावा किया कि मामला हाईकोर्ट में दाखिल हो गया है, लेकिन बाद में पता चला कि कोई केस दायर ही नहीं किया गया। जब लक्ष्मी ने रकम और दस्तावेज वापस मांगे, तो आरोपी ने न तो पैसे लौटाए और न ही कागज, बल्कि धमकाने लगा। अदालत ने पाया कि आरोपी की नीयत शुरू से ही ठगी की थी।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
website: www.newscrimefile.com
email: newscrimefile@yahoo.com

मेक इन इंडिया ही हमारा संकल्प है, यह मेला उसी भाव का प्रतीक है...भोपाल में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर चर्चा की।
मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

बीना विधायक निर्मला सप्रे मुश्किलों में फंसीं

विधानसभा की सदस्यता पर हाईकोर्ट ने स्पीकर तोमर से पूछा- 16 महीनों में फैसला क्यों नहीं किया

न्यूज क्राइम फाइल

सागर जिले के बीना विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीती विधायक निर्मला सप्रे के मामले में हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, प्रदेश सरकार और निर्मला सप्रे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका पर सुनवाई की। विधानसभा स्पीकर से पूछा कि इस मामले में क्या कार्रवाई की गई? मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर को होगी। विधानसभा अध्यक्ष के वकील ने तर्क दिया कि इस मामले की सुनवाई डिवीजन बेंच में नहीं हो सकती। इस तर्क को खारिज करते हुए कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को नोटिस जारी कर पूछा है कि निर्मला को दलबदल मामले में अयोग्य घोषित करने वाली याचिका पर 90 दिन में निर्णय करना चाहिए था, लेकिन 16 महीनों में निर्णय क्यों नहीं किया? कोर्ट ने 18 नवंबर तक विधानसभा अध्यक्ष, निर्मला सप्रे और एमपी सरकार से जवाब मांगा है।

कांग्रेस ने कहा- सीएम के साथ किया भाजपा का प्रचार

कांग्रेस ने अपनी ही पार्टी की विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका लगाई है। कांग्रेस ने मांग की है कि निर्मला ने दलबदल किया है, इसलिए उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द की जाए। निर्मला लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान 5 मई 2024 को राहतगढ़ में सीएम डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम में मंच पर पहुंची थीं। तब से वे कांग्रेस से दूरी बनाते हुए भाजपा के साथ हैं, लेकिन औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता नहीं ली है। इसी वजह से आधिकारिक तौर पर अब भी वह कांग्रेस की विधायक हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान सागर जिले के राहतगढ़ कस्बे में सीएम डॉ. मोहन यादव, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के हाथों भाजपा का गमछा गले में डाला। मंच से यह ऐलान किया गया कि निर्मला सप्रे ने बीजेपी जॉइन कर ली है। सप्रे ने भी कहा कि वे बीना के विकास के लिए बीजेपी के साथ आई हैं। विधायक निर्मला सप्रे लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान 5 मई 2024 को राहतगढ़ में सीएम डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम में मंच पर पहुंची थीं। तब से वे कांग्रेस से दूरी बनाते हुए भाजपा के साथ हैं। विधायक निर्मला सप्रे लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान 5 मई 2024 को राहतगढ़ में सीएम डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम में मंच पर पहुंची थीं। तब से वे कांग्रेस से दूरी बनाते हुए भाजपा के साथ हैं।

हेमंत खंडेलवाल बोले- भाजपा के 164 विधायक

जब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से पूछा कि निर्मला सप्रे बीजेपी में हैं या नहीं, तो उन्होंने कहा- भारतीय जनता पार्टी के 164 विधायक हैं। उनके नाम पूछेंगे तो मैं बता दूंगा। अब कौन किस दल में हैं ये उसी से पूछो वे ही बताएंगी।

निर्मला केस में कब, क्या हुआ?

निर्मला सप्रे के खिलाफ नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन 7 जुलाई 2024 को विधानसभा अध्यक्ष को सदस्यता खत्म करने का आवेदन दिया।

विधानसभा अध्यक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष को करीब ढाई महीने बाद जवाब आया कि आपकी याचिका के दस्तावेज गुम हो गए हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने दोबारा याचिका से संबंधित दस्तावेज स्पीकर को भेजे।

जुलाई से 90 दिनों में जब स्पीकर की ओर से सप्रे की सदस्यता को लेकर निर्णय नहीं हुआ तो 28 नवंबर 2024 को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इंदौर हाईकोर्ट में याचिका लगाई।

इंदौर हाईकोर्ट ने पहली सुनवाई के लिए 9 दिसंबर 2024 की तारीख दी।

9 दिसंबर 2024 को इंदौर हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए विधानसभा अध्यक्ष और बीना विधायक को नोटिस जारी किए। सुनवाई की तारीख 19 दिसंबर तय की गई।

19 दिसंबर को सरकार ने हाईकोर्ट से इंदौर की जगह जबलपुर में सुनवाई की मांग की गई।

कार्यक्रम

उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मध्यप्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग (भवन) मंदसौर द्वारा नवीन कलेक्ट्रेट भवन में रू.166 लाख की लागत से बनने वाले राजस्व अभिलेखागार एवं सामान्य अभिलेखागार भवन के निर्माण कार्य के भूमिपूजन कार्यक्रम में सहभागिता की।

देश के गरीब और आदिवासी समुदाय के लोगों के कल्याण के लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं। बीते कुछ वर्षों में हमने कर्पूरी ग्राम सहित बिहार के उन हिस्सों में भी सड़क से लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं तक का विस्तार किया है, जो दशकों तक इनसे वंचित थे।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

हरमन बोलीं- सचिन ने कहा था जब गेम बहुत तेज हो, तो स्लो करना चाहिए

वर्ल्डकप फाइनल में भारत के काम आई तेंदुलकर की सलाह

न्यूज क्राइम फाइल

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया कि वर्ल्ड कप फाइनल से एक रात पहले उन्हें सचिन तेंदुलकर का फोन आया था। हर कोई उन्हें सलाह दे रहा था, लेकिन तेंदुलकर की बात उनके लिए सबसे खास थी। हरमनप्रीत ने ICC रिव्यू में कहा- मैच से पहले सचिन ने अपने अनुभव साझा किए और बोले- जब मैच बहुत तेज चलने लगे, तो खुद को थोड़ा शांत रखो। खेल को थोड़ा धीमा करने की कोशिश करो। क्योंकि जब आप बहुत तेजी में चलते हैं, तो फिसलने का खतरा रहता है। हमें वही गलती नहीं करनी है। भारत ने 2 नवंबर को साउथ अफ्रीका को 52 रन से हराते हुए विमेंस वर्ल्डकप में अपना पहला टाइटल जीता था। 5 दिन बाद भी सपने जैसा लग रहा है हरमनप्रीत ने कहा कि नवी मुंबई में उस ऐतिहासिक रात को बीते अब पांच दिन हो गए हैं, लेकिन वह अब भी इस जीत को पूरी तरह समझ नहीं पा रही हैं। उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे अभी तक एहसास नहीं हुआ कि हमने क्या हासिल किया है। शायद कुछ महीनों बाद समझ पाऊंगी कि हमने देश के लिए क्या किया। अभी यह सब एक सपने जैसा लग रहा है। जब भी हम एक-दूसरे से मिलते हैं, बस कहते हैं, वर्ल्ड चैंपियन। ये बहुत अलग एहसास है। हम इसी पल का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।

मेरे माता-पिता उस मैच में मौजूद थे। मेरे लिए यह बहुत खास था कि वर्ल्ड कप ट्रॉफी उनके सामने उठा सकी। बचपन से मैं यही कहती आई थी कि मुझे भारत की जर्सी पहननी है, देश के लिए खेलना है, टीम की कप्तानी करनी है और वर्ल्ड कप जीतना है। तीसरी भारतीय कप्तान जिन्होंने वनडे वर्ल्ड कप जीता हरमनप्रीत अब भारत की तीसरी कप्तान बन गई हैं, जिन्होंने वनडे वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाई है। उनसे पहले कपिल देव (1983) और महेंद्र सिंह धोनी (2011) ने यह कारनामा किया था। वे पहली भारतीय महिला कप्तान हैं, जिन्होंने वर्ल्ड कप जीता है। उन्होंने कहा- मैंने अमोल मजूमदार सर से भी कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे हमने कोई बाइलेटरल सीरीज जीत ली हो और अब घर लौट रहे हों। असली असर कुछ महीनों में समझ आएगा। हरमनप्रीत इससे पहले 2020 महिला टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल में भी भारत की कप्तान रह चुकी हैं। लेकिन इस बार की जीत, उनके 16 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मंधाना, दीप्ति और शेफाली को हीरो बताया हरमनप्रीत ने फाइनल की जीत का क्रेडिट उपकप्तान स्मृति मंधाना, ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और शेफाली वर्मा को दिया है। उन्होंने शेफाली को लेकर कहा, जब शेफाली टीम में आई, तो लोग कह रहे थे कि क्या उसे फाइनल में खिलाना चाहिए, लेकिन हमने तय कर लिया था कि वह खेलेगी। उसने पहले टी-20 और अंडर-19 वर्ल्ड कप दोनों में दबाव झेला है। जब साउथ अफ्रीका की बल्लेबाज वोल्वार्ट और लूस की साझेदारी बढ़ रही थी, तो मैंने सोचा कि उसे एक ओवर देना चाहिए और उसने आते ही लगातार दो विकेट लेकर मैच पलट दिया। हम चाहते हैं कि स्मृति हर मैच में शतक लगाए स्मृति मंधाना के बारे में हरमन ने कहा- टीम के लिए उसका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। जब वह बल्लेबाजी करती है, तो पूरी टीम उसके लिए दुआ करती है कि वह शतक लगाए। क्योंकि जब वह रन बनाती है, तो बाकी सब कुछ अपने आप ठीक हो जाता है। हरमनप्रीत ने दीप्ति शर्मा के बारे में कहा- दीप्ति को बस थोड़ा आत्मविश्वास चाहिए था। कई बार हमें लगता था कि वह खुद पर उतना भरोसा नहीं करती, जितना टीम को उसकी काबिलियत पर है। दीप्ति प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनी थीं। उन्होंने 22 विकेट के साथ 215 रन भी बनाए। दीप्ति ने श्रीलंका, इंग्लैंड और फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अर्धशतक लगाए थे।

डाबर की शिकायत पर हाईकोर्ट बोला- फ्रॉड की जगह लो क्वालिटी कह लो, क्या दिक्कत है

पतंजलि ने दूसरे ब्रांड के च्यवनप्राश को धोखा कहा

न्यूज क्राइम फाइल

पतंजलि एक बार फिर अपने विज्ञापन को लेकर विवादों में घिर गई है। दरअसल, कंपनी ने च्यवनप्राश के ऐड में दूसरी कंपनियों के ब्रांड को धोखा कहा था। इसको लेकर डाबर इंडिया ने पतंजलि पर मानहानि और अनफेयर कॉम्पिटीशन का केस किया है। गुरुवार (6 नवंबर) को दिल्ली हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान जस्टिस तेजस करिया ने कहा कि ऐड में दूसरे ब्रांड्स को %धोखा% कहना गलत है, क्योंकि ये शब्द नकारात्मक और अपमानजनक है। फिलहाल कोर्ट ने विज्ञापन पर अंतरिम रोक लगाने पर अपना फैसला सुरक्षित रखा है।

कोर्ट बोला- बाकी च्यवनप्राश को धोखा कैसे बोल देंगे

जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने पतंजलि

की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट राजीव नायर से सवाल किए। कोर्ट ने कहा, %इनफीरियर शब्द इस्तेमाल कर लीजिए, इसमें क्या दिक्कत है? ये तो विज्ञापन वाली बात का मतलब ही नहीं निकालता। आप कह रहे हैं कि सब धोखा हैं और मैं ही असली वाला हूं। बाकी सारे च्यवनप्राश को धोखा कैसे कहेंगे? कम गुणवत्ता वाला कह सकते हैं, लेकिन फ्रॉड तो मत कहिए... डिक्शनरी में धोखे के अलावा कोई और शब्द नहीं मिला क्या?

पतंजलि ऐड- लोग च्यवनप्राश के नाम पर धोखा खा रहे

पतंजलि के नए पतंजलि स्पेशल च्यवनप्राश ऐड में बाबा रामदेव कहते दिखते हैं कि ज्यादातर लोग च्यवनप्राश के नाम पर धोखा खा रहे हैं। ऐड दूसरे ब्रांड्स को धोखा बताता है और पतंजलि को ही असली आयुर्वेदिक पावर वाला बताता है। ये ऐड पिछले महीने रिलीज हुआ। इस विज्ञापन में पतंजलि दावा करता है कि उसके प्रोडक्ट में 51 आयुर्वेदिक हर्ब्स और केसर है, लेकिन 2014 में गवर्नमेंट ने ऐसे क्लेम्स को मिसलीडिंग बताया था। साथ ही, स्पेशल शब्द का यूज ड्रग्स रूल्स के खिलाफ माना है।

डाबर बोली- धोखा शब्द बाबा रामदेव के बोलने से गंभीर हो जाता है

ऐड मामले में डाबर ने कहा कि पतंजलि का ऐड पूरी कैटेगरी को बदनाम कर रहा है। सीनियर एडवोकेट संदीप सेठी ने कहा, %धोखा शब्द खुद में अपमानित करने वाला है। ये सभी ब्रांड्स को एक ही ब्रश से पेंट करता है।% उन्होंने जोड़ा कि बाबा रामदेव जैसे योगगुरु के कहने से ये बात और गंभीर हो जाती है, क्योंकि लोग उन्हें सच्चाई का प्रतीक मानते हैं।

पूर्णिया में हर तरफ बस NDA की लहर है। रोड-शो में उमड़ा यह जनसागर बता रहा है कि बिहार में फिर से NDA को आने से कोई नहीं रोक सकता।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

जावद में एएसआई ने कार से कई बाइक सवारों को रौंदा

नीमच में टीचर की मौत, पत्नी, दो बच्चों समेत चार घायल; गाड़ी में शराब मिली

न्यूज क्राइम फाइल

नीमच जावद रोड पर शुक्रवार रात एक सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) मनोज यादव की कार ने कई बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इस हादसे में ज्ञानोदय आईटीआई कॉलेज के शिक्षक दशरथ पिता शंभूसिंह 42 (निवासी जावद) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी ललिता बाई (35), उनका 10 वर्षीय बेटा हर्षित और 6 वर्षीय बेटी जया गंभीर रूप से घायल हो गए। अठाना निवासी भोपाल पिता नारायण सिंह (44) भी इस हादसे में घायल हुए हैं। टीचर अपने परिवार के साथ सब्जी लेकर लौट रहे थे। घटना नीमच के भरभड़िया गांव की घाटी के पास रात करीब 8 बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एएसआई मनोज यादव अपनी क्षतिग्रस्त कार के पास नशे की हालत में थे और ठीक से खड़े नहीं हो पा रहे थे। उनकी कार से शराब की गंध आ रही थी। जिसमें से शराब की एक बोतल और एक खाली ग्लास बरामद हुआ। हादसे में घायल हुए बाइक सवारों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

टीचर की पत्नी और दो बच्चे भी घायल

पुलिसकर्मी मनीष यादव की कार, जिसका नंबर ।क्र99.क्क्ष (ऋद्द्वक्ष) 1491 बताया जा रहा है। कार जावद की ओर से आ रही थी। कार ने नीमच से जावद की ओर जा रही मोटरसाइकिलों को टक्कर मारी है। राहगीरों और एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर्स ने दशरथ पिता शंभू लाल को मृत घोषित कर दिया। अन्य सभी घायलों को जिला अस्पताल से रेफर किया है। मृतक दशरथ नीमच के एक निजी आईटीआई कॉलेज में शिक्षक थे और अपने परिवार के साथ सब्जी लेकर घर जा रहे थे।

लोगों ने किया विरोध-प्रदर्शन

घायलों में दो छोटे बच्चे भी शामिल हैं, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पन्ना में रातों रात लखपति बन गए 6 किसान

पन्ना में एक साथ मिले करीब 12 लाख कीमत के 5 हीरे; बोले- यह हमारे लिए सपने जैसा

न्यूज क्राइम फाइल

पन्ना में एक साथ 6 किसानों की किस्मत चमक उठी। उन्हें एक साथ 5 नग हीरे मिले हैं। इनकी कीमत करीब 12 लाख रुपए बताई जा रही है। इनमें से 3 जेम्स क्वालिटी के हैं। ये हीरे शुक्रवार को जिले के भमका उथली हीरा खदान क्षेत्र में मिले हैं। जिन्हें आज ही हीरा कार्यालय में जमा करा दिया गया है। अब इन हीरो को नीलामी में रखा जाएगा सिरस्वाहा गांव के रहने वाले किसान बृजेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि जून में उन्होंने अपने 5 साथियों विनोद ओमरे, रामकरण नायक, सूर्यभान सिंह, गुलाब सिंह और पुष्पेन्द्र पाठक के साथ मिलकर भमका क्षेत्र में हीरा खदान की जमीन का पट्टा लिया था। लगातार मेहनत के बाद शुक्रवार को एक साथ 5 हीरे मिले।

हीरे मिलना हमारे लिए एक सपने जैसा

किसान बृजेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि वे और उनके सभी पार्टनर पेशे से किसान हैं और हीरे मिलने से उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है। हीरा नीलामी से मिलने वाली राशि को वे आपस में बराबर बाटेंगे और इसे अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने और बच्चों की पढ़ाई में खर्च करेंगे। बृजेन्द्र ने बताया कि यह अनुभव उनके लिए एक सपने जैसा है। स्थानीय लोग भी इन किसानों की खुशी में शामिल हुए और इसे पन्ना के लिए सौभाग्य का संकेत माना जा रहा है।

5 हीरो में से 3 हीरे जेम्स क्वालिटी के

हीरा पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि मिले हीरो का वजन क्रमशः 0.74 कैरेट, 2.29 कैरेट, 0.77 कैरेट, 1.08 कैरेट और 0.91 कैरेट है। कुल वजन 5.79 कैरेट है। इनमें से 3 हीरे जेम्स क्वालिटी के हैं, जिनकी बाजार में अच्छी मांग है। सभी हीरो को आगामी नीलामी में रखा जाएगा।

सरकारी जमीन का पट्टा पाने की प्रक्रिया

पन्ना में सरकारी जमीन का पट्?टा पाने के लिए आवेदन फॉर्म भरना होता है। हीरा कार्यालय में आवेदन के साथ तीन फोटो, आधार कार्ड की कॉपी और 200 रुपए का बैंक चालान पन्ना की स्क्क्ष् शाखा में जमा करना होता है। चालान की एक कॉपी कार्यालय में भी जमा कराना पड़ती है। इसके बाद 20 दिन के अंदर पट्टा मिल जाता है।

निजी जमीन में पट्टे आवंटन की प्रक्रिया

निजी जमीन में हीरा खदान चलाने के लिए जमीन मालिक से सहमति और समझौता पत्र, बिक्रीनामा, किरायानामा जरूरी है। 3 फोटो, आधार कार्ड की कॉपी, 200 रुपए का चालान जमा कराने के बाद पट्टा जारी कर दिया जाता है। निजी खदान कहीं भी संचालित तो हो सकती है, लेकिन इलाके का हीरा खनन क्षेत्र के नक्शे में होना जरूरी है।

ऐसे निकलता है हीरा

फॉर्म वगैरह की प्रक्रिया पूरी करने के बाद हीरा कार्यालय 8 बाई 8 मीटर का पट्टा जारी करता है। इसके बाद ठेकेदार खुद या लेबर लगाकर हीरे को खोज सकता है। हीरा पट्टा खदान में तैनात लोग बताते हैं कि मिट्टी को छांटकर बाहर फेंक दिया जाता है। पथरीली मिट्टी को पानी में धोते हैं। इसके बाद सुखाकर इसकी छनाई की जाती है। उसी में से हीरे निकलते हैं जो कि किस्मत और मेहनत का खेल है।

12% राजस्व काटती है सरकार

हीरा मिलने पर इसे हीरा कार्यालय में जमा कराना होता है। वहां से बाकायदा नीलामी की प्रक्रिया होती है, जिसमें देश के बड़े कारोबारी भाग लेते हैं। वे दाम लगाते हैं। जो दाम तय होता है, उसमें से 12त्न राशि राजस्व सरकार काट लेती है। बची हुई रकम हीरा ढूंढने वाले को दे दी जाती है। काटी जाने वाली राशि में 11त्न रॉयल्टी और 1त्न ञ्जष्ठस् होता है। नीलामी की प्रक्रिया हर तीन महीने में एक बार व साल में चार बार कराई जाती है। इसके लिए अखबारों में बाकायदा विज्ञापन जारी होता है।

ऐसे तय होती है हीरे की कीमत

कलर क्लीयरिटी, कट और वजन से हीरे की कीमत तय होती है। सबसे अच्छा हीरा जैम क्वालिटी में ई और डी श्रेणी का माना जाता है। पन्ना में अमूमन ई श्रेणी का हीरा मिल जाता है। जैम क्वालिटी के हीरे की अंगूठी और दूसरी ज्वैलरी बनती है। जबकि दूसरा इंडस्ट्रियल ब्लैक हीरा होता है।

एनडीए सरकार में बिहार ने नई दिशा पकड़ी है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत करोड़ों शौचालय बने, वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें शुरू हुईं और रेलवे स्टेशन निखर रहे हैं। प्रति व्यक्ति आय में भारी बढ़ोतरी ने बिहार की तरक्की की तस्वीर बदल दी है।

रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

जो सेव-परमल पर जिंदा थे, राजकीय गाड़ियों में घूम रहे...

इंदौर में भाजपा नेता सत्यनारायण सत्तन ने कसा तंज; उसी समय हुई कैलाश विजयवर्गीय की एंट्री

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर में भाजपा के सीनियर नेता और कवि सत्यनारायण सत्तन ने बिना किसी का नाम लिए मंच से तंज कसा है। उन्होंने कहा- जो कभी चने नहीं खा सकते थे, सेव-परमल पर जिंदा थे और अब राजकीय गाड़ियों में घूम रहे हैं। सत्यनारायण सत्तन राजवाड़ा पर वंदे मातरम् गीत के 150 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। बीजेपी से मिली जानकारी के अनुसार, सत्यनारायण सत्तन जब मंच पर बोल रहे थे, उस समय कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की गाड़ी सायरन बजाती हुई मंच की तरफ बढ़ रही थी। तभी नगर अध्यक्ष ने पीछे से सत्तन से कहा कि कैलाश जी आ गए। इस पर सत्यनारायण सत्तन ने कहा- %ये भी एक प्रजातंत्र का गौरव है कि कल तक जो झंडा उठाकर घूमते थे, आज गाड़ी में घूम रहे हैं। उनके आने से पहले पी-पी-पी-पी की आवाज हो रही है। उन्होंने आगे कहा- %जो लोग चने नहीं खा सकते थे, सेव-परमल पर जिंदा थे, वो आपके पुण्य प्रताप से राजकीय गाड़ियों में बैठकर आपके बीच उपस्थित होने का गौरव प्राप्त कर रहे हैं। ऐसे लोगों को जिन्हें आपने ने ये गौरव दिया, उनके सम्मान में एक बार जोर से तालियां बजा दीजिए। ये आपके द्वारा दिया हुआ सम्मान है, जो आपके बीच पी-पी हो रही है।

जिन्होंने संघर्ष किया वह खड़े होकर आत्मसंतुष्टि पा रहे

सत्तन ने आगे कहा कि आज मंच पर नई पीढ़ी के नेता विराजमान हैं, लेकिन बाहर वे कार्यकर्ता खड़े हैं, जिन्होंने संघर्ष के दिनों में पार्टी का झंडा थामे रखा। आज वही लोग सड़क पर खड़े होकर आत्मसंतुष्टि पा रहे हैं कि उनके संघर्ष से राष्ट्रप्रेम की मशाल जल रही है। सत्तन ने कहा कि भाजपा भारत माता की जय-जयकार के लिए, राष्ट्र की चेतना के जागरण के लिए, मातृभूमि की सेवा और स्वाभिमान के लिए कार्य कर रही है।

वंदे मातरम इस देश को फिर से खड़ा करने का मंत्र

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि वंदे मातरम् ग्रंथ के साथ-साथ मंत्र भी है। वंदे मातरम् देशभक्ति की आग है, ज्वाला है। वंदे मातरम् इस देश को फिर से खड़ा करने का मंत्र है। वंदे मातरम् भारत को फिर से विश्व गुरु बनाने का मंत्र है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि जब देश की स्वतंत्रता के 100 साल पूरे हो, तब तक भारत दुनिया के ताकतवर देशों में शामिल हो जाए। यह भारत को ताकतवर बनाने का मंत्र है। यह सामान्य गीत नहीं है। यह भारत माता के चरणों में उनके प्रति श्रद्धा का फूल है। हमें भारत के चरणों में यह फूल प्रत्येक पल चढ़ाना है।

भाजपा नगर अध्यक्ष बोले- वंदे मातरम् एक ग्रंथ

भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि वंदे मातरम् एक ग्रंथ है, यह गीत भारत की एकता के मूलमंत्र को धारण करके, आनंद मठ से निकलकर, साधु संतों के आंदोलन से उठकर जब पंजाब, हरियाणा से निकलकर जब यह जम्मू पहुंचा, तब ये भारत की आत्मा बना। ये वह वंदे मातरम् है। जिसे गाते-गाते असंख्य क्रांतिकारी बलिदान हो गए। इसे गाते-गाते हंसते हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। ये गीत भारत माता के प्रति श्रद्धा और भक्ति से जोड़ने का काम करता हैं।

भतीजे और पोते ने मिलकर दंपती का रेता था गला

न्यूज क्राइम फाइल

बालाघाट में गुरुवार रात दंपती की हत्या का खुलासा कर दिया है। आरोपी उन्हीं के भतीजे और पोते ने की थी। आरोपियों पर चार लाख रुपए का कर्ज हो गया था। लालच के चलते वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी भतीजे दुलीचंद हाके (41) और पोते सचिन हाके (27) को गिरफ्तार लिया है। पुलिस ने एक लाख 85 हजार रुपए और ज्वेलरी भी बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी सचिन है, उसी ने हत्या की साजिश रची। सचिन, रमेश के भतीजे महेश हाके का बेटा है। दोनों आरोपी रिश्ते में चाचा-भतीजे हैं। एएसपी निशित उपाध्याय ने बताया कि 7 अक्टूबर को सिंचाई विभाग के रिटायर्ड ड्राइवर रमेश हाके का शव बेडरूम और उनकी पत्नी पुष्पकला का शव किचन में खून से लथपथ मिला था। घटना कटंगी में वार्ड क्रमांक 2 अर्जुन नाला की है। दूसरे दिन जब दूधवाला पहुंचा, तब घटना का पता चला। एएसपी ने बताया कि आरोपियों को शनिवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। रिमांड लेकर पूछताछ की जाएगी।

पहले पत्नी फिर पति को मारा

एएसपी ने बताया कि वारदात के बाद आरोपी घर पर ही थे। अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे। सचिन ने 5 अक्टूबर की रात करीब 11:30 बजे रमेश को चौराहे पर बाइक पंक्चर होने के बहाने बुलाया। जब रमेश वहां पहुंचे, तो वह नहीं मिला। इधर, दुलीचंद और सचिन पिछले दरवाजे से घर में घुस गए। यहां पुष्पकला की गर्दन पर तीन वार किए। थोड़ी देर में रमेश आया, तो उसके गले पर भी वार कर दिया। दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहां से ज्वेलरी और नकदी लेकर फरार हो गए।

रमेश हाके, मृतक | **पुष्पलता हाके,** मृतक

चार लाख का कर्ज चुकाने के लिए आया लालच

एएसपी ने बताया कि घटनास्थल के निरीक्षण में खिड़की और दरवाजों में तोड़फोड़ के निशान नहीं मिले। सीसीटीवी और मोबाइल लोकेशन के आधार पर दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई। पहले तो आरोपियों ने बरगलाया, लेकिन सख्ती करने पर वारदात कबूल कर ली। आरोपियों ने बताया कि दोनों को सट् ?टा खेलने की लत थी। इसी कारण दोनों पर दो-दो लाख रुपए का कर्ज हो गया था। चूंकि दंपती अकेले रहते थे। उनके पास रुपए और ज्वेलरी थी। लालच के कारण आरोपियों ने हत्या की योजना बनाई। आरोपियों ने कोसुंबा की मंडई से चाकू खरीदा था।

बचपन से साथ रह रहा था सचिन

पुलिस के मुताबिक रिटायरमेंट के बाद रमेश पैसे ब्याज पर देने का काम भी करते थे। आरोपी सचिन बचपन से ही रमेश के साथ रह रहा था। उसने पढ़ाई भी यहीं की। वर्तमान में कटंगी में रमेश के साथ रहकर खेती करता था। साथ ही, पोल्ट्री फार्म की देखरेख भी करता था। रमेश के दोनों बेटे सुनील और योगेश नागपुर प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं।

रात में दोनों बेटों से हुई थी बात

रमेश के बड़े बेटे सुनील ने बताया कि रात करीब 9:30 बजे भाई योगेश और उसके बच्चों से वीडियो और ऑडियो कॉल पर बात हुई थी। उस वक्त करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई थी। बुधवार शाम 6 बजे मुझसे भी बात हुई थी। उन्होंने रोजाना का हालचाल पूछा था। करीब 10 मिनट तक बात हुई थी। सुनील ने बताया कि घर से करीब 9 लाख के जेवर, सवा लाख रुपए नकदी और डॉलर गायब हैं।

महाराष्ट्र में रू.1800 करोड़ की सरकारी ज़मीन, जो दलितों के लिए आरक्षित थी, सिर्फ़ रू.300 करोड़ में मंत्री जी के बेटे की कंपनी को बेच दी गई।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

स्कूलों-गौशालाओं में मिली अनियमितताएं, वेतन काटने और कार्य में पारदर्शिता के निर्देश

विदिशा कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया

न्यूज क्राइम फाइल

विदिशा कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज (शुक्रवार) लटेरी तहसील के बाजना, उनारसीकला और कलादेव का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न शासकीय संस्थाओं की व्यवस्थाओं की क्रॉस मॉनिटरिंग की। इस दौरान उन्होंने स्कूल, गोशाला, आंगनवाड़ी केंद्र सहित अन्य सरकारी योजनाओं की स्थिति का जायजा लिया और लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ग्राम बाजना स्थित एकीकृत माध्यमिक शाला का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की हाजिरी, मिड-डे मील व्यवस्था, परिसर की स्वच्छता और कक्षा की स्थिति की बारीकी से जांच की। निरीक्षण में अनियमितता मिलने पर कलेक्टर ने मौके पर ही तीन शिक्षकों राजेश, बृजेश और दीनानाथ का वेतन काटने के निर्देश दिए। क्लास में बाइक रखे जाने पर संबंधित दो शिक्षकों के विरुद्ध विशेष कार्रवाई करने को कहा। कलेक्टर ने डीपीसी को शोकॉज नोटिस जारी करने और बीआरसी का तीन दिन का वेतन काटने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शिक्षण संस्थानों में अनुशासन और स्वच्छता में कोई समझौता नहीं होगा।

गोशाला में लापरवाही पर नाराजगी

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर गुप्ता ने श्रीकृष्ण गोशाला, बाजना का भी भ्रमण किया। उन्होंने पशुओं की देखभाल, चारा-पानी की उपलब्धता और साफ-सफाई की स्थिति देखी। उन्होंने कहा कि गोशाला में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने पशु चिकित्सा विभाग से संबंधित योजनाओं की जानकारी ली, जैसे गांव में दुधारू पशुओं की संख्या और केसीसी का लाभ की जानकारी तो संबंधित को जानकारी नहीं होने पर उन्होंने लटेरी के एवीएफओ संतोष दांगी और आनंदपुर के एवीएफओ श्याम सुंदर पटेल को शोकॉज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

आंगनवाड़ी भवन निर्माण पर भी कार्रवाई

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने ग्राम बाजना में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। आंगनवाड़ी केंद्र साइट चयन पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने निर्माण कार्य पर हुए व्यय की वसूली संबंधित अधिकारियों से करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को नल-जल योजना के माध्यम से जल आपूर्ति नियमित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर गुप्ता ने निरीक्षण दौरान उनारसीकला और कलादेव में ग्रामीणों से बातचीत की। ग्रामीणों ने भूमि, आवास, पट्टा, सामाजिक सुरक्षा और योजनाओं के संबंध में 26 आवेदन दिए। उन्होंने मौके पर ही विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें। चार मामलों को उन्होंने टीएल बैठक के एजेंडा में शामिल करने के आदेश दिए, ताकि उनकी साप्ताहिक समीक्षा की जा सके। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे, यह प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से गांवों में जाकर जनसमस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

भोपाल निगम कमिश्नर के नाम पर ठगने की कोशिश

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल नगर निगम कमिश्नर संस्कृति जैन के नाम पर ठगने की कोशिश का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर रुपए मांगने की जानकारी खुद कमिश्नर ने दी है। इसके बाद कमिश्नर ने लोगों को भी अलर्ट किया है। निगम कमिश्नर जैन ने बताया कि यदि कोई मेरे नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर और मेरी फोटोयुक्त डीपी लगाकर पैसे की मांग करता है तो उसे इग्नोर करें और मुझे अवगत भी कराएं।

ऐसे सामने आया मामला

कमिश्नर जैन ने बताया, उनके संज्ञान में आया कि किसी ने एक मोबाइल नंबर पर मेरी फोटो लगाकर फर्जी अकाउंट बनाया और स्वयं के मीटिंग में होने एवं बैंक अकाउंट में ऑनलाइन बैंक ट्रांसफर में कुछ समस्या आने का हवाला देते हुए 50 हजार रुपए की राशि एचडीएफसी बैंक में रिया इकरोया नाम के व्यक्ति के अकाउंट में ट्रांसफर करने को कहा। सोशल मीडिया पर उक्त व्यक्ति ने एचडीएफसी बैंक की रोईंग शाखा का अकाउंट नंबर-50100553727629 एवं आईएफएससी कोड एचडीएफसी 0002245 भी दिया। इसके बाद निगम कमिश्नर ने लोगों से यह अपील की।

कौन हैं निगम कमिश्नर जैन ?

नगर निगम को पहली बार महिला महापौर के साथ महिला निगम कमिश्नर की जोड़ी है। वहीं, संस्कृति जैन निगम में तीसरी महिला कमिश्नर हैं। जैन से पहले छवि भारद्वाज और प्रियंका दास निगम कमिश्नर रह चुकी हैं। संस्कृति जैन तीन बार यूपीएससी परीक्षा पास कर चुकी हैं और 2014 में ऑल इंडिया 11वां स्थान हासिल किया था। पिछले महीने ही प्रशासनिक फेरबदल में सिवनी कलेक्टर रही जैन को भोपाल नगर निगम कमिश्नर बनाया गया था।

आज मन्दसौर जिले के विभिन्न शोकाकुल परिवारों में पहुंचकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं शोक संवेदनाएं व्यक्त की।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

स्कूलों में नर्मदापुरम पुलिस की 'पाठशाला'

पॉक्सो और साइबर ब्लैकमेलिंग पर विशेष फोकस

न्यूज क्राइम फाइल

जहां एक ओर डिजिटल युग बच्चों के लिए ज्ञान के द्वार खोल रहा है, वहीं साइबर अपराधों का खतरा भी तेज़ी से बढ़ा है। इस खतरे को गंभीरता से लेते हुए, नर्मदापुरम पुलिस ने 'मुस्कान विशेष अभियान' के तहत स्कूलों में जागरूकता को अपनी रणनीतिक प्राथमिकता बनाया है। आज, नर्मदा विद्या निकेतन में आयोजित एक विशेष सत्र में, एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बच्चों को साइबर अपराधों की दुनिया से आगाह किया। उनके व्याख्यान का मुख्य केंद्र बिंदु अश्लील चित्रण, वीडियो और फोटो के माध्यम से होने वाली ब्लैकमेलिंग था, जो टीनएजर्स के बीच एक उभरता हुआ खतरा है।

उन्होंने बच्चों को समझाया कि कैसे वे ऑनलाइन सुरक्षित रह सकते हैं और ऐसे मामलों में बिना डरे तत्काल पुलिस या हेल्पलाइन से संपर्क करें। पाठक ने पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों को भी सरल भाषा में समझाया, जिससे बच्चों को पता चल सके कि उनके खिलाफ होने वाले किसी भी यौन अपराध के लिए कानून कितना सख्त है।

पुलिस अधिकारियों द्वारा बच्चों के बीच जाकर सीधे संवाद स्थापित करने का यह तरीका, उन्हें कानून के प्रति भरोसा दिलाने और भयमुक्त वातावरण में अपनी बात रखने के लिए प्रोत्साहित करने का एक सराहनीय कदम है। यह कार्यक्रम सिर्फ बच्चों को जानकारी देने तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्हें महिला हेल्पलाइन 1090 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 जैसे सुरक्षा साधनों से भी परिचित कराया गया।

पुलिस की यह पहल, बढ़ते डिजिटल खतरों के खिलाफ बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो सकती है।

ओवरलोडेड मेजिक में लटककर जाती स्कूली छात्राएं

न्यूज क्राइम फाइल

मंदसौर जिले में शुक्रवार को स्कूली छात्राओं की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता का विषय सामने आया है। अमलावाद रोड से प्राप्त तस्वीरों और वीडियो में छात्राओं को ओवरलोडेड मैजिक वाहन में लटककर स्कूल जाते हुए देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो ने परिवहन विभाग और स्कूल प्रशासन की उदासीनता को उजागर कर दिया है। कई छात्राएं वाहन के पीछे खतरनाक तरीके से लटककर सफर कर रही हैं, जो उनकी जान के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि स्कूल आने-जाने के लिए पर्याप्त बसों की व्यवस्था न होने के कारण बच्चे और विशेषकर छात्राएं इस तरह जोखिम भरा सफर करने को मजबूर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा पाने के लिए उन्हें रोजमर्रा में ऐसे खतरों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की कि अत्यधिक लोड वाले वाहनों की अनुमति पर रोक लगाई जाए, और जिम्मेदार अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई बड़ा हादसा न हो।

विदिशा में वेल्डिंग दुकान में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

विदिशा के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस व्यक्ति पर अहमदपुर रोड स्थित एक वेल्डिंग दुकान में लगातार दो बार चोरी करने का आरोप है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी का सामान और नकदी बरामद की है। जानकारी के अनुसार, दुकान में पहली चोरी 4 अक्टूबर को हुई थी। चोर दुकान से वेल्डिंग मशीन, ग्राइंडर और तांबे के तार सहित अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गया था। उस समय पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। इसके ठीक अगले दिन, चोरों ने उसी दुकान को दोबारा निशाना बनाया। इस बार उन्होंने दुकान में सेंध लगाकर गैस सिलेंडर भी बाउंड्री की जाली से बांधकर निकाल लिया था। लगातार हुई इन चोरी की घटनाओं के बाद सिविल लाइन पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसके आधार पर एक संदिग्ध को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने चोरी की वारदातें कबूल कर लीं। थाना सिविल लाइन प्रभारी ने बताया कि आरोपी से कृषि यंत्र निर्माण वर्कशॉप से चोरी हुआ सामान और नकदी बरामद कर ली गई है। पुलिस अब आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है, जिससे अन्य चोरी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

प्रतिदिन पौधरोपण के संकल्प के क्रम में आज महाराष्ट्र के बीड जिले में स्थित GVT कृषिकुल परिसर में ग्लोबल विकास ट्रस्ट के संस्थापक श्री मयंक गांधी जी एवं उनकी टीम के साथ पौधरोपण किया।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

लोगों में संस्कृति से जुड़ाव और अपनापन होना जरूरी; भारत की सोच सबको एक मानने की

भागवत बोले- समाज सिर्फ कानूनों से नहीं मजबूत नहीं होता

संदीप कुमार सिंह

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि समाज सिर्फ कानूनों से नहीं चलता। उसे मजबूत बनाने के लिए लोगों में संवेदनशीलता, अपनी संस्कृति से जुड़ाव और एक-दूसरे के प्रति अपनापन होना जरूरी है। यही बातें समाज में आपसी भाईचारा बढ़ाती हैं। नेले फाउंडेशन के 25 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने ये बात कही। भागवत ने कहा कि लोगों के दिलों में एक-दूसरे के प्रति अपनापन होना चाहिए और यह भावना सच्चे मन से महसूस होनी चाहिए। हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने अंदर की संवेदनशीलता को हमेशा जागरूक और जीवित रखें। भागवत ने कहा कि जब हमारा समाज एकजुट होगा, तब भारत आगे बढ़ेगा और दुनिया को रास्ता दिखाने वाला देश बन सकेगा। उन्होंने कहा कि भले ही कई देशों के पास धन, विज्ञान, ज्ञान और सेना की शक्ति है, लेकिन भारत की खासियत यह है कि हमारी परंपरा सभी को एक मानने की सोच पर आधारित है।

भागवत बोले- एकता हमारी असली पहचान

आरएसएस प्रमुख ने कहा- एकता और संवेदनशीलता हमारी असली पहचान हैं, और ये उसी चेतना से आती हैं जो पूरे संसार को जोड़ती है। आज विज्ञान भी मानता है कि एक सार्वभौमिक चेतना है, जो किसी एक जगह की नहीं, बल्कि हर जगह मौजूद है, और उसी से सब कुछ पैदा होता है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने इस सोच को सिर्फ समझा ही नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में भी इसे अपने जीवन में अपनाया और पीढ़ियों तक आगे बढ़ाया। भारत के विकास के लिए यह अंदर की जागरूकता और एकता की भावना बहुत जरूरी है। भारत आगे बढ़े और बढ़ते हुए दुनिया को भी अपनापन और एकता का संदेश दे।

भागवत ने नेले जैसी संस्थाओं और समाज में काम करने वाले समूहों की तारीफ की, जो लोगों में एकता और दया की भावना पैदा करते हैं। उन्होंने कहा कि इनके काम ने न सिर्फ उनकी अपनी जिंदगी को बेहतर बनाया है, बल्कि दुनिया के लोगों को भी फायदा पहुंचाया है। उनका काम सफल, पुण्य का और सच में मूल्यवान है।

मल्हारगढ़ का निरंतर विकास लक्ष्य : हरसौल में उप-मुख्यमंत्री देवड़ा का भव्य स्वागत, तीन प्रमुख सड़कों की स्वीकृति पर जताया आभार

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने अपनी विधानसभा मल्हारगढ़ के ग्राम हरसौल में प्रवास के दौरान ग्रामवासियों से मिले अपार स्नेह और सम्मान पर आभार व्यक्त किया। इस दौरान, ग्रामवासियों ने हाल ही में स्वीकृत हुई लगभग 23 करोड़ रुपये की तीन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं के लिए उप-मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। उप-मुख्यमंत्री देवड़ा ने इस अवसर पर कहा कि वे मल्हारगढ़ विधानसभा के पूर्ण विकास एवं प्रगति के लिए पूरी तरह संकल्पित हैं।

स्वीकृत प्रमुख परियोजनाएँ

ग्राम हरसौल में जिन सड़कों की स्वीकृति के लिए आभार व्यक्त किया गया, वे इस प्रकार हैं-
हरसौल से नारायणगढ़ मार्ग: 5 किमी (रू5.50 लाख)
हरसौल से अजना काचरिया, खड़पालिया मार्ग: 11 किमी (रू14 करोड़)
बरूजना से हरसौल मार्ग- 7 किमी (रू9 करोड़)
उप-मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि भाजपा की डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में मल्हारगढ़ लगातार विकास और उन्नति के नए शिखरों को स्पर्श करता रहेगा।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623